Activity-3

दिनांक : 18-03-2017

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

सूचना

पंजाबी विषय की सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि पंजाबी साहित्य परिषद् की ओर से 'भाषा और साहित्य का संबंध' विषय पर 21-03-2017 को एक विस्तार भाषण का आयोजन किया जा रहा है। सभी छात्राएं 11:15 बजे सैमीनार हॉल में उपस्थित रहें।

संयोजिका
डॉ० रेखा रानी

18-3-2017

'भाषा और साहित्य का संबंध' विषय पर
डॉ० हरसिमरन सिंह रंधावा (पंजाबी विभाग, कु० वि० कुरुक्षेत्र)
का विस्तार-भाषण (21-03-2017)

2016-2017

Punjabi Society

Extention Lecture

Topic :- ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਸਾਹਿਤ ਦਾ ਸੰਬੰਧ

Date : 21-03-2017

Main Speaker :- Professor H.S. Randhawa (Dept of Punjabi, KUK)

Sr. no.	Name	Class	Roll no.
1.	Harpreet Kaur	B.A. III	1
2.	Narinder Kaur	B.A. III	16
3.	Taljinder Kaur	B.A. II	2542
4.	Navneet	B.A. III	9
5.	Kawaljeet Kaur	B.A. I	3177
6.	Anchal	B.A. I	3185
7.	Palwinder	B.A. III	17
8.	Gurpreet Kaur	B.A. II	2545
9.	Shilpa	B.A. II	2550
10.	Vandna	B.A. II	2551
11.	Ravina Devi	B.A. II	2556
12.	Tanu Dhawan	B.A. II	2694
13.	Manisha	B.A. III	35
14.	Rena Kant	B.A. III	79
15.	Jyoti	B.A. III	82
16.	Reeta	B.A. I	3268
17.	Mehak Saini	B.A. I	3254
18.	Diksha	B.A. I	3248
19.	Sapna Rani	B.A. III	99
20	Madhu	B.A. III	124
21.	Komal Rani	B.A. I	3102
22.	Davinder Kaur	B.A. II	2559

2016-2017

Date 2
Page
21-03-17

Sr. No	Name	Class	Roll no.
23.	Divya Kapoor	B.A. II	2564
24.	Nitu	B.A. III	106
25.	Kajal	B.A. I	3104
26.	Mandeep Kaur	B.A. I	3136
27.	Manpreet Kaur	B.A. I	3138
28.	Sumita	B.A. III	119
29.	Komal	B.A. III	137
30.	Mandeep Kaur	B.A. III	171
31.	Sukhwinder Kaur	B.A. III	172
32.	Vandna	B.A. II	2709
33.	Rita	B.A. II	2726
34.	Nikita	B.A. II	2739
35.	Pardeep Kaur	B.A. II	2727
36.	Reena Devi	B.A. II	2733
37.	Sukhwinder Devi	B.A. III	178
38.	Rajwinder Kaur	B.A. III	181
39.	Navneet Kaur	B.A. I	3295
40.	Ankita	B.A. I	3297
41.	Hardeep Kaur	B.A. I	3283
42.	Tamanna.	B.A. I	3280
43	Amandeep Kaur	B.A. III	250
44	Jaskiran Kaur	B.A. I	3209
45	Sheena	B.A. I	3222
46	Harwinder Kaur	B.A. I	3227
47	Pooja.	B.A. I	3237
48	Nisha Devi	B.A. II	2509
49	Mandeep Kaur	B.A. II	2517
50	Nidhi	B.A. III	264
51	Poonam Devi	B.A. III	216
52	Kavita	B.A. III	217

2016-17

21-03-17

Sr. no.	Name	Class	Roll no.
53.	Neha Dhiman	B.A. III	226
54.	Ankur	B.A. I	3235
55.	Shivani	B.A, I	3239
56.	Diksha	B.A. II	2519
57.	Hema Verma	B.A. II	2535
58.	Diksha Tanwar	B.A. II	2539
59.	Jyoti	B.A. I	3240
60.	Shubhneet Kaur	B.A. I	3245
61.	Ranjeet	B.A. III	235
62	Arti	B.A. II	2708
63.	Manpreet Kaur	B.A. II	2704
64.	Preeti	B.A. II	2697
65.	Neha	B.A. II	2540
66.	Jyoti	B.A. III	236
67.	Sonia	B.A. III	186
68.	Mandeep Kaur	B.A. III	202
69.	Seema Rani	B.A. II	2651
70.	Kiran Rani	B.A. II	2653
71.	Anjana	B.A. II	2675
72.	Manju	B.A. II	2667
73.	Jugneet Kaur	B.A. II	2666
74.	Shabnam	B.A. III	208
75	Preeti Sharma	B.A. I	3145
76	Lovejeet Kaur	B.A. I	3152
77	Aman deep Kaur	B.A. I	3157
78.	Neetu Rani	B.A. II	2603
79.	Navneet Kaur	B.A. II	2609
80	Prabh deep Kaur	B.A. II	2633
81	Anu	B.A. II	2646
82	Priyanka	B.A. II	2655

2016-17

Date 4.
Page
21-03-17

Sr.no	Name	Class	Rollno.
83	Amandeep Kaur	B.A. II	2665
84	Neha Rani	B.A. I	3159
85	Simar jeet Kaur	B.A. I	3176

Sno. Present Teachers

1. Dr. Rekha (Convinor)
2. Dr. Manjeet Kaur
3. Mrs. Santosh
4. Mrs. Payal Anand Choudhary

2016-17

प्रेस नोट

आज दिनांक 21.03.2017 को दयानन्द महिला महाविद्यालय में पंजाबी साहित्य परिषद् की ओर से 'भाषा और साहित्य का संबंध' विषय पर विस्तार भाषण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० हरसिमरन सिंह रन्धावा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, पंजाबी विभाग, कु० वि० कुरुक्षेत्र उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० श्रीमती विजय लक्ष्मी सेहं जी ने पुष्पगुच्छ भेंट करके उनका स्वागत अभिनन्दन किया। मुख्यातिथि ने अपने वक्तव्य में छात्राओं सम्बोधित करते हुए कहा कि भाषा मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण प्राप्ति है भाषा को उन्होंने विकास की पहली सीढ़ी बताया। क्योंकि भाषा ही आदान-प्रदान के बिना मनुष्य का सर्वांगीण विकास असम्भव है। साहित्य और भाषा का संबंध शरीर और आत्मा जैसा है। उन्होंने बाबा फ़रीद का उदाहरण देते हुए कहा कि वे ग्यारहवीं सदी में पंजाबी भाषा के प्रथम कवि हुए हैं जिन्होंने समाज और कवियों के लिए मार्ग दर्शक का कार्य करती है। महाविद्यालय प्राचार्या जी के द्वारा मुख्यातिथि जी का महाविद्यालय में पधारने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने छात्राओं संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के वक्तव्य छात्राओं के लिए साहित्य से जुड़कर ज्ञानार्जन के लिए महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो सकते हैं। साहित्य को जानना उतना ही आवश्यक है जितना कि अन्य विषयों को जानना। क्योंकि साहित्य मनुष्य को जीवन से जोड़ता है, चाहे वह किसी भी भाषा का हो। पंजाबी साहित्य में देश के लिए समर्पित हुए वीरों की आत्मकथाएं एवं स्वरचित कविताएं

2016-17

Date 3.

Page

21.03.17

Press Report

Date : 21.03.2017

Today on, 21.03.2017 ...

भी मिलती है। जिससे प्रेरणा लेकर वर्तमान युवा उचित मार्ग की ओर अग्रसर हो सकते हैं। इस अवसर पर पंजाबी विभाग की संयोजिका डॉ० रेखा रानी, डॉ० मनजीत कौर, श्रीमती सन्तोष, श्रीमती पायल आनन्द-चौधरी एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

रेखा रानी
23/3/17

Press Report

Date : 21.03.2017

Today on, 21.03.2017, an extension lecture on the topic "Relation of Language and Literature" was organized by Punjabi literary society of Dayanand Mahila Mahavidyalaya. In this event, Dr. Harsimran Singh Randhawa, Professor in Punjabi department K.U. Kurukshetra was main speaker. Dr Vijaylakshmi Singh principal of the college welcomed the chief guest by presenting a bouquet. The speaker while addressing the students in his statement said that language is the first step of development, because all round development of human being is impossible without linguistic exhange. The relation between literature and language is the same as between body and soul. The richness of any language can be seen in its literature. Giving the example of Baba Farid, he said that he was the first poet of Punjabi language of 11th Century, whose works still serve as a guide for poets. The college principal thanked the chief guest for visiting the college. Addressing the students, she said that such statements can be prove on important link for the students to become educated. The knowledge of literature is as important as the knowledge of other subjects. Because literature connects human being to life whatever the language is in punjabi literature, autobiographies and self written poems of heroes dedicated to the country are also found. and by taking inspiration from this, the present youth can move towards right path. On this occasion convener of Punjabi department Dr. Rekha Rani, Dr. Manjeetkaur, Mrs. Santosh, Mrs. Payal Anand Chaudhary and students were present.

21.03.2017

पंजाब केसरी 22/3/2017

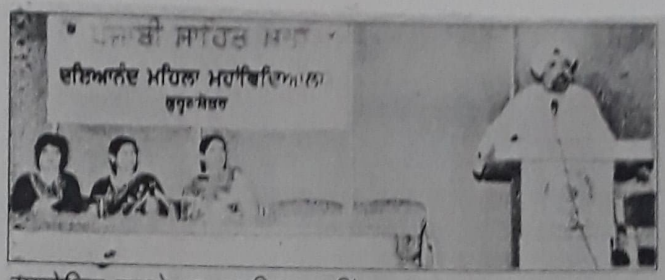

सम्बोधित करते डा. हरसिमरन सिंह।

भाषा मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण प्राप्ति : हरसिमरन

कुरुक्षेत्र, 21 मार्च (वालिया): दयानंद महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र में पंजाबी साहित्य परिषद की ओर से भाषा और साहित्य का सम्बन्ध विषय पर विस्तार भाषण का आयोजन किया। इस अवसर पर डा. हरसिमरन सिंह रंधावा, प्रोफैसर पंजाबी विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित थे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. विजयलक्ष्मी सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट करके उनका स्वागत अभिनंदन किया।

मुख्यातिथि ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाषा मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण प्राप्ति है। भाषा को उन्होंने विकास की पहली सीढ़ी बताया। इस अवसर पर पंजाबी विभाग की संयोजिका डा. रेखा रानी, डा. मनजीत कौर, संतोष, पायल आनंद चौधरी एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

दैनिक जागरण 22/3/2017

'साहित्य-भाषा का संबंध शरीर और आत्मा जैसा'

दयानंद महिला महाविद्यालय में पंजावी साहित्य परिषद् की ओर से आयोजित भाषा और साहित्य का संबंध विषय पर विस्तार भाषण

जासं, कुरुक्षेत्र : कवि पंजाबी विभाग के प्रोफेसर डॉ. हरसिमरन सिंह रंधावा ने कहा कि भाषा मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण प्राप्ति है। भाषा को उन्होंने विकास की पहली सीढ़ी बताया, क्योंकि भाषायी आदान-प्रदान के बिना मनुष्य का सर्वांगीण विकास असंभव है। साहित्य और भाषा का संबंध शरीर और आत्मा जैसा है। किसी भाषा की अमीरी उसके साहित्य में देखी जा सकती है। उन्होंने बाबा फरीद का उदाहरण देते हुए कहा कि वे 11वीं सदी के पंजाबी भाषा के प्रथम कवि हुए हैं, जिनकी रचना आज भी कवियों के लिए मार्गदर्शक का कार्य करती है।

वे मंगलवार को दयानंद महिला महाविद्यालय में पंजाबी साहित्य परिषद् की ओर से भाषा और साहित्य का संबंध विषय पर विस्तार भाषण में बोल रहे थे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट करके उनका स्वागत किया।

महाविद्यालय प्राचार्या ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के वक्तव्य छात्राओं के ज्ञानार्जन के लिए महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो सकते है। इस अवसर पर पंजाबी विभाग की संयोजिका डॉ. रेखा रानी, डॉ. मनजीत कौर, संतोष, पायल आनंद चौधरी एवं छात्राएं उपस्थित रही।